ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

आज की प्रेरणा

घर बड़ा हो या छोटा, अगर मिठास ना हो तो इंसान तो क्या, चीटियां भी नहीं आतीं।

आज से हम अपने घरों में मिठास फैलाएँ...

Today's Inspiration

Be the house big or small, if there is no sweetness, then not only the people even ants won't come.

Today onwards let's spread swetness in our homes.

Brahmakumaris

अब घर जाना है

न निंदा करो , न निंदा सुनो

दुनिया में निंदा करने वाले और निंदा सुनने वाले लोग कई है । ये बहुत ही नीच कर्म है । कुछ लोगों को लोगों की निंदा कर के उसको बदनाम करने में बड़ा आनंद आता है । वो ये नहीं जानते की इस कर्म से उनका पुण्य का खाता खतम होता जाता और पाप का खाता बढ़ता जाता है । अतः सदैव ध्यान रखें , न किसकी निंदा करें ना किसिकी निंदा सुने । स्वयं को देखें और स्वयं को ही सुधारने की चेष्ठा करें ।

BK Dr.Damini

फरिश्ता अर्थात्...

बापदादा- 21.10.2005

फरिश्ता अर्थात् जिसका पुराने संसार और पुराने संस्कार से कोई नाता नहीं। फरिश्ता अर्थात् सिर्फ समस्या के समय डबल लाईट नहीं, लेकिन सदा मन्सा-वाचा, संबंध-सम्पर्क में डबल लाईट, हल्का।

फरिश्ता अर्थात् जो सर्व का, थोड़ों का नहीं, सर्व का प्यारा और न्यारा हो। सिर्फ प्यारा नहीं, जितना प्यारा उतना ही न्यारा हो। फरिश्ता की निशानी है, वह सर्व का प्रिय होगा, जो भी देखेंगे जो भी मिलेंगे जो भी संबंध में आयेंगे, सम्पर्क में आयेंगे वह अनुभव करेंगे कि यह मेरा है। जैसे बाप के लिए सभी अनुभव करते हैं, मेरा है। ऐसे फरिश्ता अर्थात् हर एक अनुभव करे यह मेरा है। अपना पन का अनुभव हो क्योंकि हल्का होगा ना तो हल्कापन प्रिय बना देता है सबका। सारा ब्राह्मण परिवार अनुभव करे कि यह मेरा है।

फरिश्ता अर्थात् संकल्प, बोल, कर्म, संबंध, सम्पर्क में बेहद हो। हद नहीं हो। सब अपने हैं और मैं सबका हूँ। जहाँ ज्यादा अपनापन होता है ना वहाँ हल्कापन होता है। संस्कार में भी हल्कापन, तो चेक करो कितना परसेन्ट फरिश्ता स्टेज तक पहुंचे हैं?

श्रेष्ठ प्रेरणा

दृढ़ता की शक्ति में हमारे कड़े से कड़े संस्कार को परिवर्तित करने का सामर्थ्य होता है... इसलिए दृढ़ता कभी न छोड़ें...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

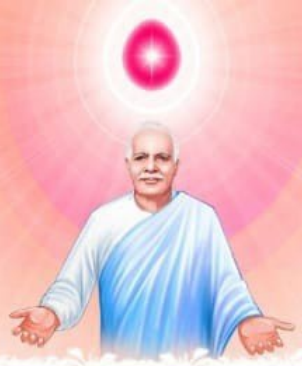

सम्पूर्णता की ओर

ज्ञानी तू आत्मा सदैव हर एक के प्रति मास्टर स्नेह का सागर है। बिना स्नेह के उसके पास और कुछ है ही नहीं कोई भी आएगा तो उसे स्नेह ही देंगे। आजकल संपत्ति से भी ज्यादा स्नेह की आवश्यकता है। स्नेह की शक्ति से दुश्मन को भी मित्र बना सकते हो। अपकारियों पर भी उपकार कर सकते हो।

आलस्य एक ऐसा सुखदाई
अनुभव है
जिसका परिणाम बहुत दुखदाई है
AE

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org